SOUVENIR 2025

Delhi / Madhya Pradesh

March 2025

Media Federation of India

9868230229, 9313462630
mfinewdelhi@gmail.com www.mediafederationofindia.com

हरियाणा सरकार

100 दिन नॉन-स्टॉप काम टॉप परिणाम

डबल इंजन हरियाणा सरकार तिगुनी रफ्तार

सभी 24 फसलों के दाने-दाने की खरीद MSP पर हो रही है। किसानों को फसल खरीद के सिर्फ 48 घंटे में सीधे खाते में भुगतान।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त में ₹360 करोड़ किसानों को दिए गए हैं। अब तक हरियाणा के किसानों को कुल ₹6,563 करोड़ की सम्मान राशि दी गई है।

कृषि भूमि के पट्टे के लिए लिखित अनुबंध अनिवार्य। पट्टेदारों को सरकारी योजनाओं का भी लाभ मिलेगा।

शामलात भूमि पर 20 वर्षों से काबिज कृषक पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक दिया गया।

हरियाणा के गांवों में 20 वर्ष से अधिक समय से पंचायती जमीन पर बने 500 वर्ग गज के मकानों को नियमित किया गया।

कम बारिश की स्थिति को देखते हुए किसानों को ₹2000 प्रति एकड़ बोनस दिया गया, ₹1345 करोड़ का भुगतान किया गया।

खेतों से गुजरने वाली हाई-टेंशन बिजली लाइनों के टावर की जमीन के लिए किसानों को मार्किट रेट का 200% मुआवजा मिलेगा।

प्रधानमंत्री द्वारा करनाल में ₹700 करोड़ की लागत से बनने वाले महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय का शिलान्यास।

"हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे देश का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।"

- नरेन्द्र मोदी

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हरियाणा के whatsapp चैनल से जुड़ने के लिए स्कैन करें

अध्यक्ष की कलम से

अरुण शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया

साथियों वर्तमान दौर में टेक्नोलॉजी ने पत्रकारिता के मायने पूरी तरह से बदल दिए हैं। वो चाहे प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दोनों ही क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी ने खबरे करने के तरीके बदल दिए हैं। परम्परागत पत्रकारिता अब समाप्ति की ओर है। सबसे बड़ा हमला पत्रकारिता पर सोशल डिजिटल मीडिया ने किया है जो घर - घर से संचालित हो रहे हैं कोई घटना घटते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगती है जब तक सवांददाता घटना स्थल पर पहुँचता है तब तक तो देशभर में खबर वायरल हो चुकी होती है। इसका समाज को नुकसान भी होता है वो ये की अशिक्षित या कम जानकारी रखने वाले कथित पत्रकार गलत या अधूरी जानकारी अपने सोशल मीडिया के हैंडल से प्रस्तुत कर देता हैं जिसका गलत असर सीधा देश और समाज पर पढता है। इन्ही खबरों से समाज में अफवाह की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे समाज में तनाव और अपराध को बढ़ावा मिलता है। यू ट्यूब, फेसबुकु, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, ट्विटर, एक्स जैसे अनेक प्लेटफॉर्म हैं जो तेजी से खबरे या झूठी जानकारी समाज को हमारे युवाओं को और समाज के हर तबके को परोसते हैं। ये प्लेटफार्म मुफ्त होने के कारण इनपर कोई भी अपनी बात रख देता है। अनेक बार ऐसी गलत जानकारियां समाज में झगड़े भी करवा देती हैं। हमें इन आधी अधूरी जानकारियों को देखने और परोसने से बचना चाहिए। किशोर बच्चों पर इनका बहुत ही गलत असर पड़ रहा है।

नई तकनीक हमारे लिए वरदान है पर इसका इस्तेमाल सही जगह सही तरीके से होना चाहिए। तकनीक हमें देश विदेश के किसी भी कोने से रूबरू करवा देती है, इंटरनेट ए आई के माध्यम से हम किसी से भी विडिओ कॉल से सीधे संवाद कर लेते हैं इन तकनीकों से कारोबार की दुनिया को सबसे ज्यादा लाभ मिला है। आजकल ए आई तकनीक अनेक लोगो का रोजगार भीं छीन रही है यहाँ तक कि ए आई एंकर, ए आई रिपोर्टर तक मीडिया इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने लगे हैं इसी तकनीक से उन्हें सटीक जानकारी तो मिलती ही है साथ ही संस्थान अपना पैसा भी बचा रहे हैं। मीडिया जगत में ए आई के आने से क्रांतिकारी परिवर्तन आया है एक और जहाँ इसका सकारात्मक इस्तेमाल हो रहा है वहीँ इसका नकारात्मक इस्तेमाल भी तेजी से स्कैमर और ठग कर रहे हैं ये अपराधी देश के सुरक्षा बालों के लिए भी सिरदर्द बने हुए हैं, नई तकनीक आने के तुरंत बाद अपराध जगत भीं सक्रीय हो जाते हैं और समाज को निशाना बनाते है। आजकल डिजिटल अरेस्ट का अपराध बहुत देखने को मिल रहा है इससे हमें अति सावधान रहने की आवश्यकता है हमें कोशिश करनी चाहिए की अपनी निजी जानकारी अनजान लोगो को न बताएं, अगर बताने की आवश्यकता भी है तो अति सावधानी बरतें जिससे आप किसी गलत व्यक्ति के शिकार होने से बच सकें। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि हम पत्रकार हैं समाज की महवपूर्ण जिम्मेदारी देश की जनता ने हम पर डाली है उसका सम्मान करते हुए अपराध प्रवृति के लोगो से समाज की रक्षा करें और नए–नए स्केमरों अपराधियों से समाज को सचेत करते रहें। हम अपनी जिम्मेदारी निभाकर एक अच्छे अपराध मुक्त समाज को बनाने में मदद कर सकते हैं।

श्रीमती अमिता शर्मा
राष्ट्रीय सचिव
मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया

छोटे अखबारों के पत्रकार
लोकतंत्र के अनसुने नायक

बड़े मीडिया संस्थानों के प्रभुत्व वाले इस दौर में छोटे अखबारों के पत्रकार एक अहम लेकिन कम सराहे जाने वाले कार्य में लगे रहते हैं। वे स्थानीय समाचारों को सामने लाकर समाज की वास्तविक स्थिति को उजागर करते हैं और आम लोगों की आवाज़ सत्ता तक पहुंचाते हैं। उनकी रिपोर्टिंग स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही तय करनेए सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ानेए जनसमस्याओं को उजागर करने और स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छोटे अखबार अक्सर उन मुद्दों को उठाते हैं जो राष्ट्रीय मीडिया की प्राथमिकता में नहीं होतेए लेकिन जिनका आम नागरिकों के जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इनकी बदौलत गांवों और छोटे शहरों की समस्याएँए सरकारी योजनाओं की खामियां और सामाजिक परिवर्तन मुख्यधारा में आ पाते हैं।

हालांकिए इन पत्रकारों को अपने कार्य में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण छोटे अखबारों को टिके रहना मुश्किल होता हैए क्योंकि उन्हें विज्ञापनों और सरकारी सहायता का सीमित सहयोग मिलता है। इसके अलावाए राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव भी उनकी निष्पक्ष रिपोर्टिंग को प्रभावित कर सकता हैए और कई बार उन्हें धमकियों या शारीरिक खतरों का भी सामना करना पड़ता है। डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के चलते भी छोटे अखबारों को नई तकनीकों से तालमेल बैठाने की जरूरत पड़ रही हैए ताकि वे पाठकों तक अपनी पहुंच बनाए रख सकें। इसके बावजूदए इन पत्रकारों की मेहनत और निडरता लोकतंत्र को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाती है।

छोटे अखबारों के पत्रकारों की सुरक्षाए आर्थिक स्थिरता और पहचान को सुनिश्चित करना पूरे समाज की ज़िम्मेदारी हैए क्योंकि वे लोकतंत्र के असली रक्षक हैं। उनकी रिपोर्टिंग प्रशासन की जवाबदेही तय करती हैए सामाजिक न्याय को बढ़ावा देती है और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखती है। यदि ये पत्रकार न होंए तो कई महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दे कभी उजागर ही न हो पाएं। डिजिटल युग में इन अखबारों को अधिक समर्थन और तकनीकी सशक्तिकरण की आवश्यकता हैए ताकि वे स्वतंत्र पत्रकारिता की परंपरा को जीवित रख सकें। छोटे समाचार पत्रों को पढ़ना और उनका समर्थन करना भी निष्पक्ष पत्रकारिता को बचाने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

Editor, Publisher & Printer Arun Sharma, President, Media Federation of India printed this magazine from Kapil Binder & Printer, Shiva Market, Pitampura, New Delhi & publish from 21-B Citizen Enclave, Rohini Sector -14, New Delhi -110085 Phone No. 9868230229, 9313462630 Email: mfinewdelhi@gmail.com website: www.mediafederationofindia.com

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के मंच पर सम्मानित हुवे

देशभर के मीडिया सितारे

 # इस वर्ष 19 वां मीडिया एक्सीलेंस अवार्ड्स 2025 का आयोजन हुवा # केंद्रीय मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा,डॉ संदीप मारवाह, श्री के जी सुरेश, श्री संजय दिवेदी और संस्था के अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा श्री ओम प्रकाश ने मीडिया के सितारों को सम्मानित किया # देशभर से आये 500 से अधिक मीडिया सहयोगी # इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों में देशभर से आये 55 सितारों को अवार्डस दिए गए # दिल्ली विश्वविद्यालय और महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रतुस्त किया

19th मीडिया एक्सीलेंस अवार्ड्स 2025 कार्यक्रम का आयोजन मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली के प्यारे लाल ऑडिटोरियम में बड़े धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सोबना यादव, एंकर,जी न्यूज, डॉ संदीप मारवाह, श्री सुरेश जैन, श्री के जी सुरेश, श्री संजय द्विवेदी और संस्था के अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा ने दीप जलाकर किया। उसके बाद महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर डॉ सचिन बत्रा द्वारा लिखित और मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रकाशित **वेव्हारिक पत्रकारिता** का विमोचन किया गया यह पुस्तक का दूसरा संस्करण था। इसमें युवा छात्रों के लिए वेव्हारिक पत्रकारिता कैसे कि

जानी चाहिए इस पर प्रकाश डाला गया है। डॉ सचिन बत्रा, श्री अरुण शर्मा, श्री के जी सुरेश, डॉ संदीप मारवाह और श्री संजय द्विवेदी ने पुस्तक का लोकार्पण किया। संस्था के राष्ट्रिय अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा ने कहा कि हम 20 वर्षों देश के पत्रकारों के हितार्थ एवं सहायतार्थ कार्य कर रहे हैं। जिसमे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल सोशल और अकादमिक शिक्षक और छात्र भी आते हैं। अब संस्था देश ही नहीं विदेशों में भी अनेक संस्थाओं से इंटर्न, प्लेसमेंट, वर्कशॉप, सेमिनार और अन्य मुद्दों के लिए अनुबंध कर चुकी है और देश के भी अनेक विश्वविद्यालय और कॉलेजों के साथ अनुबंध है। श्री अरुण शर्मा ने मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के देशभर से आये पदाधिकारियों से भी परिचय करवाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री आशीष के सिंह ने सभी को कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही राष्ट्रिय सचिव श्रीमती अमिता शर्मा ने समारोह में आये सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

केंद्रीय मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा जी ने भी मीडिया कर्मियों को सम्बोधित किया और उन्हें बताया कि पत्रकार बंधुओं को किस तरह अपनी पत्रकारिता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार देश के एक महवपूर्ण स्तम्भ हैं उन्हें अपनी जिम्मेदारी बखूभी निभानी चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर पत्रकारों, संस्था और पदाधिकारियों को कार्यकर्म के सफल आयोजन के लिए शुभकामनायें दी।

भारत विकास परिषद् के राष्ट्रिय संगठन सचिव श्री सुरेश जैन जी ने पत्रकारों को शुभकामनायें दी और बताया कि वो कैसे समाज के निर्माण के लिए महवपूर्ण हिस्सा हैं। डॉ संदीप मारवाह, प्रोफेसर डॉ के जी सुरेश और प्रोफेसर डॉ संजय दिवेदी ने भी अपने विचारों से जनता को रूबरू करवाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिल्ली यूनिवर्सिटी और महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट के छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रतुस्त थी जिन्होंने अतिथि जनता को अपनी कला से मन्त्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने भंगड़ा, भारत नाट्यम, बॉलीवुड, गायन और अन्य कलाओं से सबको खूब आनंदित किया। **50** से अधिक कलाकार छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस वर्ष जिन मीडिया के महान सितारों को मंच पर सम्मानित किया गया उनके नाम हैं **श्री वेद प्रकाश भारद्वाज** को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड सिविल सर्वेंट सर्विस के लिए, बेस्ट स्टार कम्यूनिकेटर के लिए **श्री के एम् प्रशांत,** मुख्य महाप्रबंधक जनसम्पर्क एवं कॉर्पोरटे कम्युनिकेशन, एन टी पी सी, बेस्ट रिसर्च प्रमोटर ऑफ दी ईयर **डॉ प्रवीण शर्मा**, सयुंक्त निदेशक, आई सी अच् आर,

बेस्ट मीडिया गुरु ऑफ दी ईयर **डॉ के जी सुरेश**, बेस्ट न्यूज प्रेसेंटर ऑफ दी ईयर **श्रीमती सोभना यादव**, जी न्यूज, बेस्ट मेल एंकर ऑफ दी ईयर **श्री अशोक श्रीवास्तव**, एडिटर एंकर, डीडी न्यूज, नेशनल वीमेन स्टार अचीवर अवार्ड **श्रीमती गरिमा अरोड़ा**, सी ऍम डी, जी ए डिजिटल वेब वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड, बेस्ट एंटरप्रिनुएर ऑफ दी ईयर **उषा सप्रा और श्री पवि प्रताप**, फाउंडर – को फाउंडर, लेंडिंग पे प्राइवेट लिमिटेड, अवार्ड फॉर आउट स्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन इन रियल एस्टेट, लक्सोरिया ग्रुप अहमदाबाद, **श्री भारत व्यास और अंकित मालिक**, बेस्ट पी आर प्रोफेशनल ऑफ दी ईयर **श्री अजेय महाराज**, मुख्य अधिकारी जनसम्पर्क एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, फोर्टिस ग्रुप, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एक्सीलेंस अवार्ड, **मॉइल लिमिटेड, नागपुर**, बेस्ट एडिटर ऑफ दी ईयर **श्री अतुल तारे** समूह संपादक, दैनिक स्वदेश, बेस्ट एंकर एंड रिपोर्टर ऑफ दी ईयर **लवीना राज,** न्यूज 18, बेस्ट आउटपुट हेड ऑफ दी ईयर, **श्री सुबोध सिंह**,जी न्यूज बेस्ट रेडियो जॉकी ऑफ दी ईयर, **श्री सईद**, रेडियो मिर्ची ऍफ ऍम, बेस्ट रीजनल एडिटर इन चीफ ऑफ दी ईयर **श्री रोहित सिंह**, नवतेज टीवी, बेस्ट स्पेशल कोरेस्पोंडेंट ऑफ दी ईयर, **श्री राजू राज**, जी न्यूज, बेस्ट सीनियर जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्री नवीन गौतम**, बेस्ट रीजनल एडिटर ऑफ दी ईयर **रचना पांधी**, समूह संपादक, हिमाचल टाइम्स ,बेस्ट पी आर पर्सन ऑफ दी ईयर **श्री नितेश मिश्रा**, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ महाराष्ट्र **श्री अनिल तिवारी**, एडिटर दोपहर का सामना, बेस्ट पी आर कम्यूनिकेटर ऑफ दी ईयर **श्री विजय बाजपाई**, जनसम्पर्क अधिकारी वेदांता बालको, कोरबा,बेस्ट फीमेल प्रोडूसर ऑफ दी ईयर **श्रीमती कला अय्यर**, बेस्ट फ्रीलान्स आर्टिस्ट ऑफ दी **ईयर इशिता** सिन्हा, बेस्ट फर्स्ट जेनेरशन एंटरप्रिनुएर ऑफ दी ईयर **डॉ नितिन वर्मा** सी ऍम डी सेंट्रल ग्रुप इंडिया,बेस्ट अच् आर एक्सीलेंस अवार्ड ऑफ दी ईयर **मायल लिमिटेड नागपुर**, बेस्ट रिसर्च जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्री निगम झा**, संसद टीवी ,बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ हिमाचल प्रदेश, **श्री संजीव शर्मा**, बेस्ट कैमरामैन ऑफ दी ईयर **श्री दुष्यंत कुमार**, दैनिक जागरण, बेस्ट फोटो जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्री राज के राज**, हिन्दुतान टाइम्स, बेस्ट डिजिटल पलटफोर्म ऑफ दी ईयर **श्री दिनेश पांडेय**, खबर पहाड़, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ सिक्किम **श्री अमित पात्रो**, एडिटर, हिमानी बेला, सिक्किम, बेस्ट फ्रीलान्स जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्री अमित बैजनाथ गर्ग** बेस्ट यंग जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्रीं निशांत वत्स**, एडिटर, पब्लिक एशिया, बेस्ट रीजनल जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्री सुदर्शन सोनी**, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ उत्तर प्रदेश **श्री संजीव कपासिया**, एडिटर खबर फास्ट, बेस्ट अवार्ड फॉर महाकुम्भ कवरेज, **साधना वाइब्रेंट ग्रुप,** बेस्ट कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एक्सीलेंस अवार्ड **मायल लिमिटेड, नागपुर**, बेस्ट सोशल जर्नलिस्ट ऑफ दी ईयर **श्रीमती दिव्या सिंह**, मोस्ट पॉपुलर होस्ट ऑफ दी ईयर **श्री संतोष राव**, रेनबो ऍफ ऍम, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ तमिलनाडु **श्री के सथीस कानन**, बेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ साउथ इंडिया **श्री के कुमार**, बेस्ट पी आर पर्सन ऑफ दी ईयर **श्री के अस चौहान**, सयुंक्त निदेशक, सूचना विभाग, उत्तराखंड, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ पब्लिक रिलेशन **डॉ रूचि गोस्वामी**, आई आई अस यूनिवर्सिटी, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ ब्रॉडकास्ट जर्नलिस्म **डॉ संदीप कुमार**, आरो यूनिवर्सिटी, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ कम्युनिकेशन रिसर्च **डॉ आकिब बट्ट**, के आर मंगलम यूनिवर्सिटी, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ मीडिया रिसर्च **डॉ दिव्या गिरधर**, महर्षि यूनिवर्सिटी, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ एडवरटाइजिंग एंड सिनेमा, **श्री ललितांक जैन** आई ऍम अस नॉएडा, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ कम्युनिटी रेडियो **डॉ सोनाली श्रीवास्तव**, शारदा यूनिवर्सिटी, बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ टी वी जर्नलिस्म, **अदिति अग्रवाल**, के आर मंगलम यूनिवर्सिटी बेस्ट मीडिया एजुकेटर ऑफ इवेंट एंड सी सी, **श्रीमती सैफाली आहूजा**, महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट को दिया गया।

इस कार्यक्रम को प्रायोजित और विज्ञापन के रूप में आर्थिक सहयोग देने वालो में Haryana Govt, Madhya Govt, LIC, NTPC, NHPC, MOIL Limited, Central Group India, Lending Pay Pvt Limited, Sadhna Group, Laxoriya Group और Choksi Laboratorie हैं। कार्यक्रम में अनेक बार संचालक श्री संतोष राव और दिव्या सिंह ने मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया और सभी पदाधिकारियों कि और से सभी प्रायोजकों को अनेक बार धन्यवाद और आभार प्रकट किया।

2025
Organized by
Media Federation of Indi

Organized by
Media Federation of Indi

Organized by
Media Federation of Ind

2025
Organized by

2025
Organized by
Media Federation of India

Federation of India
aturday, 8th March 2025

Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by

19TH
MEDIA
EXCELLENCE
AWARDS

2025
Organized by
Media Federation of Ind

2025
Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by
Media Federation of India

2025
Organized by

Organized by
Media Federation of India

Excellence Awards
2025

MEDIA FEDERATION OF INDIA

2025
Organized by

MEDIA FEDERATION OF INDI

19TH
MEDIA

2025
Organized by

2025
Organized by
Media Federation of Indi

2025
Organized by

Organized by
Media Federation of Ind

2025
Organized by

Raj

19th Media Excellence Awards
2025
Organized by

2025
Organized by
Saturday, 8th March 2025

2025
Organized by

Media Excellence Awards
2025
Organized by

19th Media Excellence Award
2025
Organized by
Media Federation of India

19th Media Excellence Awards
2025
Organized by
Media Federation of India
Saturday, 8th March 2025
PLB Auditorium, BSZ Marg, ITO, New Delhi-110002

2025
Organized by

Excellence Awards
2025
Organized by

Media Federation of

19th Media Excellence Awards
2025
Organized by
Media Federation of India
Saturday, 8th March 2025
PLB Auditorium, BSZ Marg, ITO, New Delhi-110002

19th Media Excellence Awards
2025
Organized by
Media Federation of India
Saturday, 8th March 2025
PLB Auditorium, BSZ Marg, ITO, New Delhi-110002

Media Federation of Ind
Saturday, 8th March 2025

ARYAN TV
हर ख़बर
SADHNA
PLUS NEWS
साधना
ईश्वर
Vibrant Broadcasting Pvt. Ltd

Media Excelle
2025
Organised by
Federati

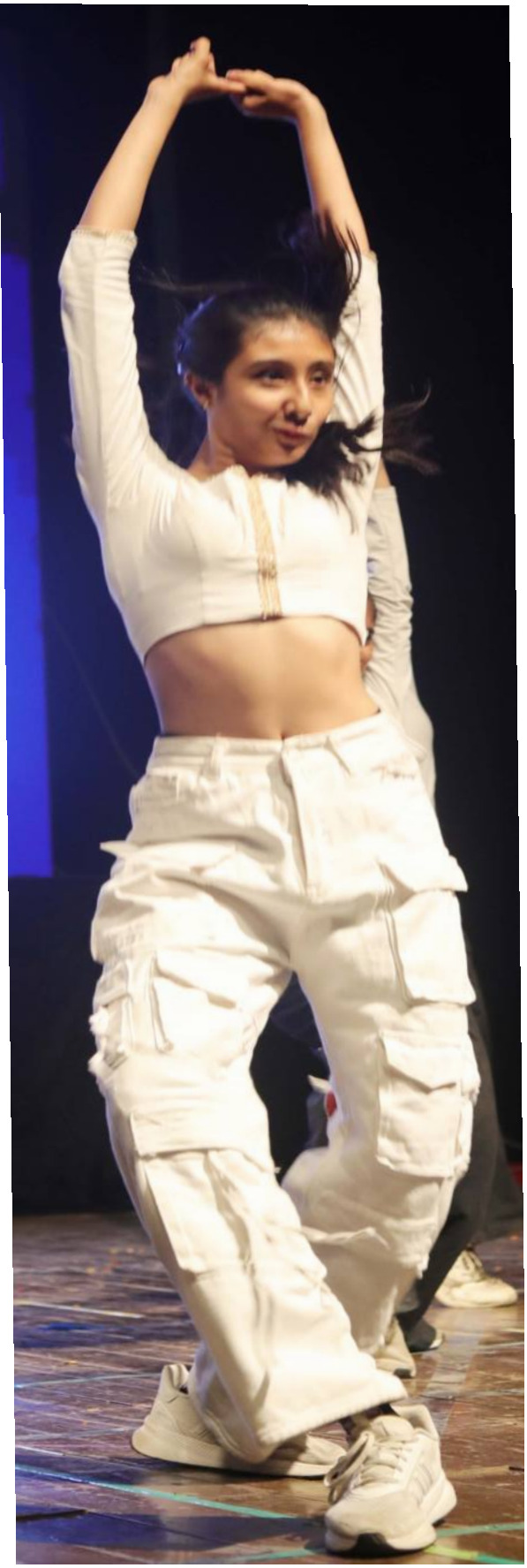

Media Federation

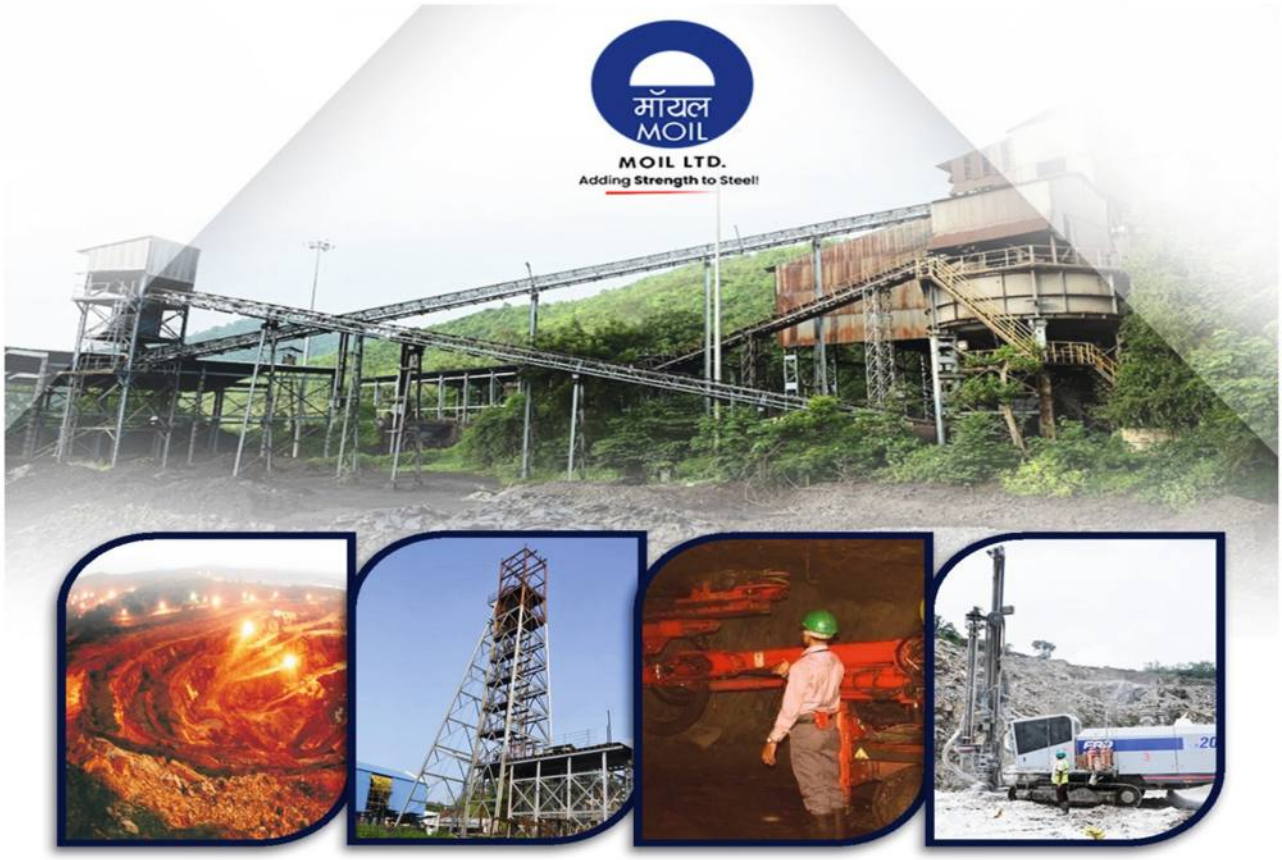

मॉयल
MOIL
MOIL LTD.
Adding Strength to Steel!
ADDING STRENGTH
TO STEEL
Largest Manganese Ore Producer of the Country
#HarEkKaamDeshKeNaam

एनटीपीसी
NTPC

50 YEARS OF POWERING
INFINITE POSSIBILITIES FOR INDIA

एनटीपीसी NTPC

50 YEARS

OF POWERING GROWTH

For 50 years, NTPC has been a key force behind India's rise. From a modest beginning, it has emerged as a powerhouse of innovation, helping India realise its dreams. NTPC powers industries, uplifts communities and touches people's lives in myriad ways. As a trusted energy leader, NTPC is now championing India's journey towards clean, sustainable power for all and a Viksit Bharat by 2047.

Powering Progress for a Resilient Future

A target of 130 GW by 2032 on the back of a strong portfolio across conventional, RE sources and nuclear plans

A Trusted Source of Energy

Lighting every fourth bulb in the country, and ensuring reliable, affordable supply of power

Empowering Lives Beyond Energy

Serving communities, protecting environment, and securing biodiversity for inclusive growth

Innovating for a Greener Tomorrow

A leader in floating solar, green hydrogen, e-mobility, carbon capture, biofuels and energy storage solutions

Sustainability at its Core

Driven by a 'People, Planet, Prosperity' approach, NTPC is steadily marching towards a Net Zero future

— www.ntpc.co.in —

Visit: /ntpc1 /ntpcltd1 /ntpclimited /company/ntpc /ntpclimited

GA DIGITAL
Exceeding Expectations

ARYAN TV
हर ख़बर
SADHNA PLUS NEWS
साधना
आध्यात्मिक सामाजिक टी.वी. चैनल
ईश्वर
Vibrant Broadcasting Pvt. Ltd.

THE FORTIS HOSPITAL
NETWORK ACROSS INDIA

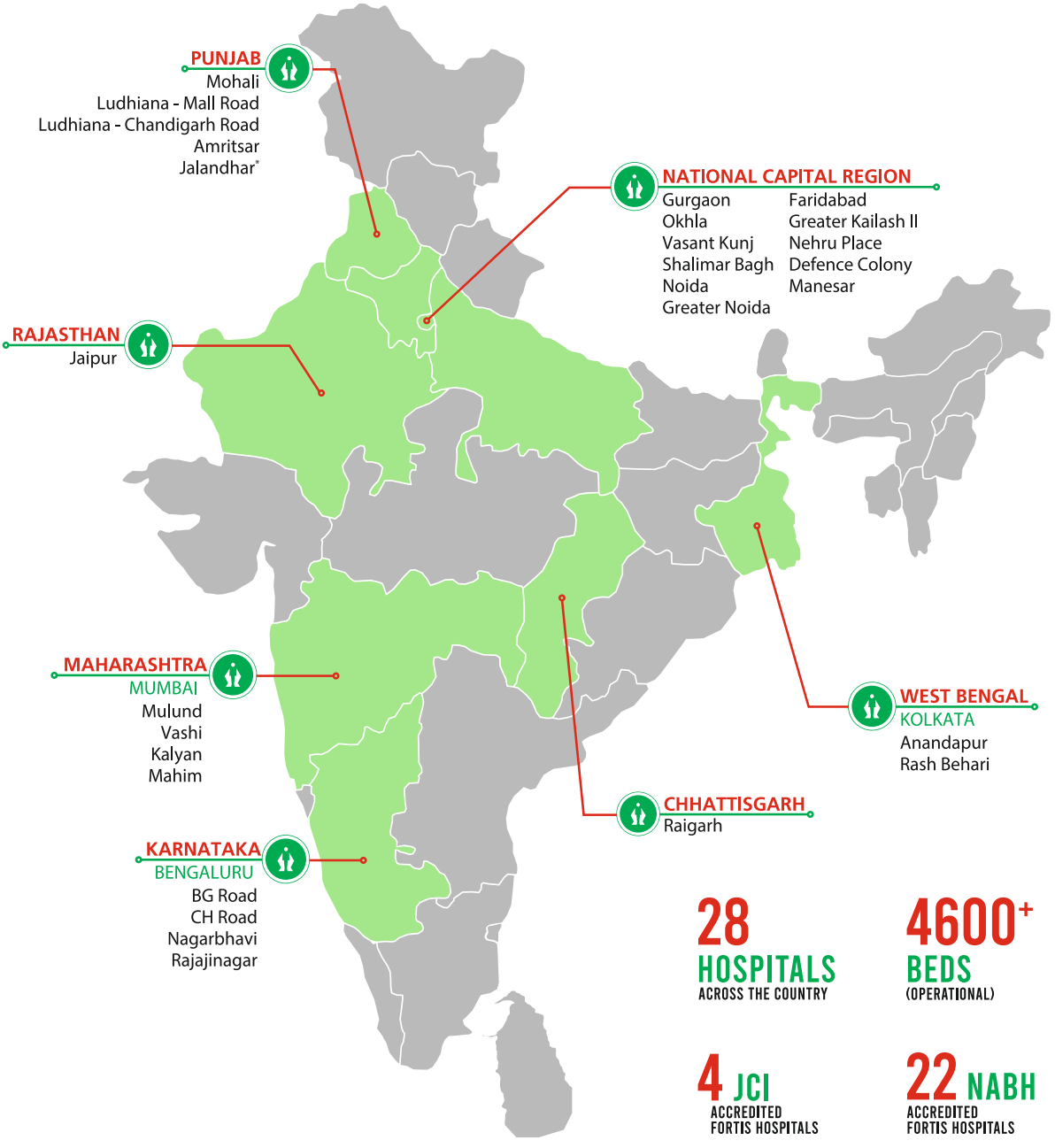

28 HOSPITALS ACROSS THE COUNTRY

4600+ BEDS (OPERATIONAL)

4 JCI ACCREDITED FORTIS HOSPITALS

22 NABH ACCREDITED FORTIS HOSPITALS

5700+ DOCTORS

7500+ NURSES

Scan the QR code to download the **myFortis app**.

GET IT ON Google Play | Available on the App Store

*Upcoming Hospital

DELHI • GURUGRAM • NOIDA • GREATER NOIDA • FARIDABAD • BENGALURU • MUMBAI • KOLKATA • MOHALI • JAIPUR • LUDHIANA • AMRITSAR

वर्ष 2025 : मीडिया इंडस्ट्री के लिए अनंत संभावनाओं का दौर

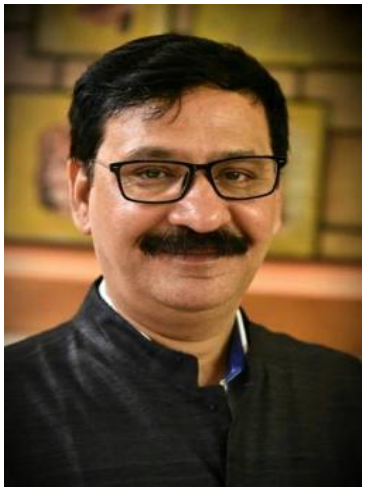

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी
पूर्व महानिदेशक
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

वर्तमान युग में मीडिया इंडस्ट्री तीव्र गति से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। तकनीकी प्रगति और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव के चलते, मीडिया और मनोरंजन के पारंपरिक स्वरूप में काफी परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2024 ने इस बदलाव को और गति दी है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के कारण। वर्ष 2025 की ओर देखते हुए, यह स्पष्ट है कि एआई, डिजिटल मीडिया और नई तकनीकों का प्रभाव मीडिया इंडस्ट्री की दिशा को और अधिक प्रभावित करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के योगदान से मीडिया में क्रांति

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ने मीडिया इंडस्ट्री में न केवल कार्यप्रणाली को सरल बनाया है, बल्कि नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। एआई के माध्यम से सामग्री निर्माण, उपभोक्ता डेटा का विश्लेषण और दर्शकों की पसंद का सटीक अनुमान लगाना अब आसान हो गया है। उदाहरणस्वरूप:

· सामग्री निर्माण और संपादनरू एआई–संचालित उपकरण जैसे GPT मॉडल्स, डीपफेक टेक्नोलॉजी और इमेज जनरेशन प्लेटफॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स के लिए समय और लागत बचाते हैं। न्यूज चौनल्स अब रियल–टाइम न्यूज अपडेट्स और अनुकूलित समाचार प्रस्तुति के लिए एआई–सक्षम वर्चुअल एंकर का उपयोग कर रहे हैं।

· डिजिटल विज्ञापनरू एआई एल्गोरिदम उपभोक्ताओं की सर्च और ब्राउजिंग आदतों का विश्लेषण करके व्यक्तिगत विज्ञापन तैयार करते हैं। इससे न केवल विज्ञापनदाता, बल्कि उपभोक्ता भी लाभान्वित होते हैं, क्योंकि उन्हें अपनी पसंद का ही कंटेंट देखने को मिलता है।

· ऑडियंस इंगेजमेंट: चौटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट दर्शकों के सवालों का जवाब देकर और उनकी पसंद के कंटेंट का सुझाव देकर मीडिया कंपनियों की पहुंच और प्रभाव को बढ़ा रहे हैं।

एआई से जुड़ी चुनौतियाँ

हालांकि एआई ने मीडिया इंडस्ट्री में असंख्य अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन यह नई चुनौतियाँ भी लेकर आया है।

· नैतिकता और पारदर्शिता: एआई आधारित फेक न्यूज और डीपफेक टेक्नोलॉजी की वजह से गलत सूचनाओं का प्रसार बढ़ सकता है।

· मानव संसाधन का विस्थापन: पारंपरिक कार्यबल को एआई द्वारा रिप्लेस किए जाने का खतरा बना हुआ है।

· डेटा गोपनीयता: एआई को प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा है।

भारत और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का बाजार

भारत, विश्व में एआई के विकास और उपयोग के मामले में अग्रणी देशों में शामिल हो रहा है। वर्ष 2024 में भारत का एआई बाजार लगभग +7 बिलियन तक पहुँच चुका है। अनुमान है कि 2025 तक यह +12 बिलियन तक बढ़ जाएगा। भारतीय एआई क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) 20–25: के आसपास है।

वर्ष 2024 में, भारत में एआई के क्षेत्र में लगभग 4 लाख पेशेवर काम कर रहे हैं। सरकार और निजी कंपनियाँ मिलकर एआई स्टार्टअप्स और अनुसंधान में भारी निवेश कर रही हैं। 2025 तक, एआई आधारित नौकरियों की संख्या में 30: तक वृद्धि की उम्मीद है।

भारतीय मीडिया कंपनियाँ एआई–संचालित ट्रेंड एनालिसिस, कंटेंट पर्सनलाइजेशन और विज्ञापन ऑप्टिमाइजेशन पर भारी ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर रिलायंस जियो और टाटा जैसे बड़े कॉर्पोरेट्स मीडिया और एआई के समागम के लिए बड़े स्तर पर निवेश कर रहे हैं।

भारत में डिजिटल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

भारत में डिजिटल मीडिया का प्रभाव पारंपरिक मीडिया की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2024 में, भारत में लगभग 700 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से अधिकांश स्मार्टफोन के माध्यम से डिजिटल सामग्री का उपभोग कर रहे हैं।

नेटफ्लिक्स, अमेजॅन प्राइम, डिज्नी़ हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भारत में मनोरंजन का नया केंद्र बन गए हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब पर स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री का उपभोग बढ़ रहा है। डिजिटल न्यूज पोर्टल्स जैसे इनशॉर्ट्स और स्क्रॉल ने पारंपरिक न्यूज चौनल्स की जगह लेनी शुरू कर दी है।

वर्ष 2024 में, भारत में डिजिटल विज्ञापन का आकार लगभग +4.5 बिलियन था। 2025 तक, यह +6.8 बिलियन तक पहुँचने की संभावना है। डिजिटल मीडिया में पर्सनलाइज्ड विज्ञापन और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग एक नया ट्रेंड बन चुका है। भारत में 70: इंटरनेट उपयोगकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। सरकार की डिजिटल इंडिया पहल और सस्ती डेटा सेवाओं के कारण ग्रामीण भारत में डिजिटल कंटेंट का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है।

प्रो. (डॉ.) सचिन बत्रा
सलाहकार, मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया, दिल्ली

हमारा AI भविष्य का औजार हो हथियार नहीं, नियमित हो निरंकुश नहीं हमें चाहिए हाइजीनिक व ऑर्गेनिक AI

पूरी दुनिया में AI आज सर्वाधिक सुलगता हुआ मुद्दा है। मान्यता यह है कि जो AI पर राज करेगा उसकी पूरी दुनिया में बादशाहत होगी। इसलिए AI पर तो अब गलाकाट प्रतिस्पर्धा ने विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। ताजा मामला चीन के डीपसीक AI चौटबॉट के मॉडल R—1 का है। जिसने वैश्विक बाजार में अपनी कम कीमत के चलते तहलका मचा दिया है। AI मामले पर चीन और अमेरिका के बीच डिजिटल युद्ध को देखते हुए भारत ने भी इसमें जोर आजमाइश की तैयारी कर ली है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐलान कर दिया है कि भारत भी 10 महीने के भीतर अपना AI चौटबॉट विकसित कर लेगा। इसमें एक दिलचस्प दावा यह भी है कि यह मॉडल सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। वहीं सरकार ने AI के इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 10,372 करोड़ रुपए का बजट भी मंजूर कर दिया है।

यह देखना सुखद है कि हमारा भारत भी दुनिया में AI वर्चस्व वाले देशों की पंक्ति में अपना झंडा गाड़ने को तैयार है। लेकिन असल मुद्दा तो निरंकुश AI की समस्या से निपटने का है। क्योंकि इसे लेकर कई विवाद और यक्ष प्रश्न भी सामने आए हैं। एक तरफ तो AI के लैंग्वेज मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए जो डाटा एक्सेस किया जाता है उसके लिए कॉपीराइट कंटेट इस्तेमाल करने की विधिवत अनुमति लेना ही बहुत बड़ी चुनौती है क्योंकि कंटेंट देश का भी होगा और दूसरे देशों का भी। इसी प्रकार डाटा की सुरक्षा व निजता यानी प्राइवेसी को सुरक्षित व संरक्षित रखना बहुत बड़ी चुनौती साबित होता है। इस बात को ध्यान रखा जाना चाहिए कि डीपसीक ने भले ही 20 महीने में क्ृ1 मॉडल को इजाद कर लिया था लेकिन न्यूयॉर्क की एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी विज ने उसके 10 लाख संवेदनशील डाटा तक सेंधमारी करने में कामयाबी हासिल करते हुए सुरक्षात्मक सुदृढता को कटघरे में खड़ा कर दिया।

हालांकि 10 से 11 फरवरी तक फ्रांस में इसके विविध पहलुओं को परखने के लिए AI एक्शन समिट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाग लेंगे। मैक्रों ने वैश्विक बातचीत के रूप में AI के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि है कि इसमें अमेरिका, चीन और भारत जैसे देशों के साथ–साथ खाड़ी के देश भी शामिल होंगे, जिनकी AI प्रौद्योगिकियों के विकास और विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका है। इस बयान से स्पष्ट है कि भारत AI के क्षेत्र में प्रबल संभावनाओं और नवाचारों का देश माना जा रहा है।

इसका कारण यह भी है कि हम AI आधारित बुनियादी सुविधाओं व समाधानों की खोज को एक देशव्यापी अभियान का रूप दे चुके हैं।

AI के विविध विकल्पों के विकास की होड़ में हम अकेले नहीं हैं। बहुत से देश AI ऐप बनाकर सेवाओं का एक संगठित कारोबार कर रहे हैं। लेकिन AI के नियमन के लिए उन्होंने बुनियादी ढांचा, नियम कायदे या कानून भी विकसित कर लिए हैं। जहां तक हमारे देश की बात करें तो दिसंबर में एक सवाल का जवाब देते हुए लोकसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि यदि सदन और समाज सहमत हो तो AI के उपयोग के लिए कानून बनाया जा सकता है। ययानी हमें भी सिंगापुर, चीन, यूरोप, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की ही तरह AI को कानून के अधीन या स्वाधीन बनाना होगा। हालांकि यह सच है कि AI से किसी को शिकायत तो नहीं है लेकिन वैश्विक स्तर पर उसके अनियंत्रित उपयोग को लेकर सवाल जरूर हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक साक्षात्कार में टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा था कि मैं यह तो मानता हूं कि AI मानवता को कोई नुकसान पहुंचाने नहीं जा रहा है लेकिन उसे सख्त नियंत्रण में रखा जाना चाहिए।

वैसे AI के फायदे तो बहुत हैं लेकिन अगर कायदों की परवाह नहीं की जाती तो निश्चय ही इससे देश, समाज और नागरिकों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इन्हीं आशंकाओं के चलते दुनिया के कई देशों ने तो 2020 में ही AI को नियमों के सुरक्षा चक्र या आंशिक प्रतिबंधों से नियमित करना शुरू कर दिया। इसमें सिंगापुर ऐसा पहला देश है जिसने AI गवर्नेंस फ्रेमवर्क सहित राष्ट्रीय AI रणनीति भी बनाई। जिसके तहत AI के पारदर्शी और सुरक्षित उपयोग को कानून के जरिए सुनिश्चित किया गया है। यूरोपियन यूनियन ने लोगों के बुनियादी अधिकारों का हनन रोकने के लिए AIA यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्ट लागू कर दिया। साथ ही ळक्व्त् यानि जनरल डाटा प्रोटेक्शन रेग्युलेशन जैसे सख्त नियम भी बना दिए। इसी प्रकार अमेरिका ने एएए यानि एल्गोरिदम अकाउंटेबिलिटी एक्ट अमल में लाते हुए AI के खतरनाक प्रयोग को प्रतिबंधित कर दिया। जबकि वहां 1964 का सिविल राइट एक्ट और फेयर क्रेडिट रिपोर्टिंग एक्ट जैसे कई अन्य फेडरल कानून पहले से ही अस्तित्व में थे। फिर भी AI को केंद्र में रखते हुए नया कानून लाया गया। वहीं चीन की बात करें तो वहां के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेवलपमेंट प्लान **2021—2030** के तहत पहले से ही AI को सुरक्षित, भरोसेमंद और नियंत्रित किए जाने के अनुरूप बनाकर ही जारी किया गया। हालांकि वहां भी डाटा प्रोटेक्शन लॉ, साइबर सिक्योरिटी लॉ और पर्सनल इंफॉर्मेशन लॉ भी सख्ती से लागू हैं। लेकिन चीन में सार्वजनिक स्थलों पर फेशियल रिकग्निशन सहित कई AI एप्स प्रतिबंधित हैं। इसी तरह जापान में प्रमोशन ऑफ द डेवलपमेंट एंड प्रैक्टिकल एप्लीकेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत AI को विकसित किया जाता है लेकिन निजी जानकारियों की सुरक्षा को आश्वस्त किया गया है।

वहीं फ्रांस की बात की जाए तो वहां AI को विज्ञापन प्रचार व बाजारवाद के माध्यम से उपभोक्ताओं को फंसाने पर रोक है। जर्मनी ने तो लोगों की निगरानी और स्वायत्त हथियारों के मामले में AI पर पाबंदी लगा रखी है। इसी प्रकार रूस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सैन्य अभियानों और निगरानी कार्यक्रमों से अलग रखा है।

स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 127 देशों ने AI से संबंधित कानूनों या नियमों को सख्ती से लागू किया और 14 देशों ने डेटा प्रोटेक्शन कानून पारित किए। AI के नियंत्रित व घात रहित प्रयोग के लिए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के ग्लोबल AI कॉसिल ने भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल के कई सिद्धांत तय किए हैं। उसमें निष्पक्षता, जिम्मेदारी, पारदर्शिता, वाजिब इस्तेमाल और मनुष्य के हित संरक्षण को सुनिश्चित करने को कहा गया है। हालांकि AI के उपयोग से परहेज करना भी संभव नहीं है। क्योंकि ओबेरलो की रिपोर्ट को आधार माना जाए तो 2022 में पूरी दुनिया के व्यापार में AI की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत रही। वहीं कुछ प्रमुख बिजनेस का 91 फीसदी निवेश अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में किया जा रहा है। देखा जाए तो स्वास्थ्य सेवाओं, फाइनेंस, उत्पादन क्षेत्र और कस्टमर केयर जैसे क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सफल और सकारात्मक उपयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में कार्यरत 59 फीसदी कंपनियां AI का सहयोग ले रही हैं।

कुल मिलाकर सबको AI का नफा तो चाहिए लेकिन नुकसान नहीं। हालांकि पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर कोई सर्वमान्य कानून तो नहीं है लेकिन अब तक करीब 37 देशों ने AI सुरक्षा और नियमन के लिए सख्त कानून बना लिए हैं। वहीं 14 देशों ने डाटा प्रोटेक्शन एक्ट के जरिए ।प के मनमाने इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। डाटा प्रोटेक्शन एक्ट तो हमारे देश में भी है। वहीं नीति आयोग के निर्देशन में 2019 में श्एआइ फॉर आलश योजना सहित ।प नियामक प्राधिकरण की स्थापना के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जा चुका है। फिर भी आजाद और निरंकुश AI के जायज इस्तेमाल के लिए सर्वमान्य कानून बहुत जरूरी है ताकि इसका उत्पादक इस्तेमाल समाज व देश हित में ही किया जाए।

गौरतलब यह भी है कि नवभारत टाइम्स में 22 जनवरी को प्रकाशित एक समाचार में एक सर्वे का हवाला दिया है कि हमारे देश में 74 प्रतिशत कर्मचारी AI के अंधानुकरण के चलते अपनी नौकरियों को हाशिए पर मानते हुए सदमे में है। कानून बनाते समय सरकार को इन यक्ष प्रश्नों पर भी संज्ञान लेना चाहिए। क्योंकि कायदे के बिना जहां यह फायदे का सौदा साबित हुआ है वहीं डाटा डकैती और अपराध का हथियार भी बनता जा रहा है। ऐसे में AI से जुड़ी उम्मीदों ही नहीं आशंकाओं को भी नियमन या कानूनी अंकुश से हाइजीनिक व ऑर्गेनिक AI को सुनिश्चित करना होगा।

एनटीपीसी
NTPC

चिकित्सा परामर्श, दवाइयाँ , हार्ट की जाँच जैसे ई.सी.जी., खून की जाँचें एवं स्वास्थ्य परीक्षण पूर्ण रूप से नि:शुल्क

(भोपाल) बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के शुभ अवसर पर सेंट्रल ग्रुप के हेल्थकेयर सेक्टर के अंतर्गत, प्रथम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के कोलार क्षेत्र में दिनांक 14 अप्रैल 2025 को होगा भव्य शुभारंभ। सेंट्रल ग्रुप के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नितिन वर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की शुभारंभ के बाद दूसरे दिन उपरोक्त सौगात मंदाकिनी सोसायटी एवं भोपाल क्षेत्र के मरीजों को उनकी टीम प्रदान करेगी, उन्होंने यह भी बताया है कि कई राज्यों में सेंट्रल ग्रुप मानव एवं समाज सेवा में समर्पित कार्य कर रहा है तथा इस कार्य को आगे बढ़ते हुए अब मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी सेंट्रल ग्रुप अपनी सी.एस.आर एक्टिविटीज के द्वारा मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवार के परिजनों के लिए भारत और प्रदेश सरकार के साथ मिलकर हॉस्पिटल्स में नि:शुल्क ट्रेनिंग के साथ साथ युवाओं को शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। अधिक जानकारी देते हुए डॉ. नितिन वर्मा ने यह भी बताया है उनकी पूरी टीम प्रदेश के असहाय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की पूर्ण रूप से मदद करने के लिए तैयार है।

PHQ Scheme | SGHS Scheme | BSNL Employee Benefits Scheme | ECHS Scheme | CGHS Scheme

» सोनोग्राफी, ईको कार्डियोग्राफी, टी.एम.टी., पी.एफ.टी, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एक्सरे «

CENTRAL GROUP OF HOSPITALS TM

'5 लाख का मुफ़्त उपचार आयुष्मान योजना | TPA इन्श्योरेंस क्लेम | CM रिलीफ फण्ड | एम्बुलेंस सुविधा | वृद्ध जन केयर

Call: +91-9810191748,7554236479

341,मंदाकिनी सोसाइटी,80 फीट रोड,कोलार,भोपाल,मध्य प्रदेश

centralgroup2024@gmail.com www.centralgroupofhospitals.com

व्यापक हो रहा मीडिया का दायरा

सतेंद्र शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष – मध्य प्रदेश
मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया

वर्तमान परिवेश में मीडिया के समक्ष कई प्रकार की चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों का भली–भांि सामना करते हुए समाज तक सही जानकारी पहुंचाना एक पत्रकार की न सिर्फ कुशलता है बल्कि जिम्मेदारी भी है। पत्रकारों को इन चुनौतियों का सामना करने में कई प्रकार की समस्याएं भी झेलनी पड़ती हैं। समाचार संकलन में पत्रकारों के समक्ष कई चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। आज के परिवेश में मीडिया का दायरा काफी व्यापक होता जा रहा है। पत्रकारों को समाचार संकलन में कई प्रकार के विवादों से संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में एक पत्रकार के लिए समाज के समक्ष तथ्यपरक खबरें पहुंचाना एवं समाज को नई दिशा दिखाना काफी जोखिम भरा कार्य बनता जा रहा है। इसके साथ ही पत्रकारों को उन विषम परिस्थतियों एवं चुनौतियों से निपटने के लिए भी मानसिक तौर पर हर वक्त तैयार रहना पड़ता है। यहां बता दें कि सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही पत्रकारिता सार्थक बनती है। सामाजिक सरोकारों को व्यवस्था की दहलीज तक पहुँचाने और प्रशासन की जनहितकारी नीतियों तथा योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक ले जाने के दायित्व का निर्वाह ही सार्थक पत्रकारिता है। पत्रकारिता को लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। पत्रकारिता ने लोकतन्त्र में यह महत्त्वपूर्ण स्थान अपने आप नहीं प्राप्त किया है बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के दायित्वों के महत्त्व को देखते हुए समाज ने ही दर्जा दिया है। कोई भी लोकतन्त्र तभी सशक्त है जब पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी सार्थक भूमिका निभाती रहे। सार्थक पत्रकारिता का उद्देश्य ही यह होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी की भूमिका अपनाये। यदि पत्रकारिता के इतिहास पर नजर डाले तो स्वतन्त्रता के पूर्व पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य स्वतन्त्रता प्राप्ति का लक्ष्य था। स्वतन्त्रता के लिए चले आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम मे पत्रकारिता ने अहम और सार्थक भूमिका निभाई। उस दौर में पत्रकारिता ने पूरे देश को एकता केसूत्र में पिरोने के साथ–साथ पूरे समाज को स्वाधीनता की प्राप्ति के लक्ष्य से जोड़े रखा। इन्टरनेट और सूचना के आधिकार ने आज की पत्रकारिता को बहुआयामी और अनन्त बना दिया है। आज कोई भी जानकारी पलक झपकते उपलब्ध की और कराई जा सकती है। मीडिया आज बहुत सशक्त और प्रभावकारी हो गया है।पत्रकारिता की पहुँच और आभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का व्यापक इस्तेमाल आमतौर पर सामाजिक सरोकारों और भलाई से ही जुड़ा है, किन्तु कभी कभार इसका दुरपयोग भी होने लगा है। संचार क्रान्ति तथा सूचना के आधिकार के अलावा आर्थिक उदारीकरण ने पत्रकारिता केचेहरे को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। विज्ञापनों से होने वाली अथाह कमाई ने पत्रकारिता को काफी हद तक व्यावसायिक बनादिया है। मीडिया का लक्ष्य आज अधिक से अधिक कमाई का हो चला है। मीडिया के इसी व्यावसायिक दृष्टिकोण का नतीजा है कि उसका ध्यान सामाजिक सरोकारों से भटकता प्रतीत हो रहा है।

चौथा स्तम्भ और उसकी चुनौतियां

राजकिशोर श्रीवास्तव
प्रधान संपादक
दैनिक लोक दुनिया समाचार पत्र समूह

ऐसे समय में जबकि आरोप–प्रत्यारोपों के बीच देश राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की जागरुकता बेहद जरूरी हो जाती है। फलतः पत्रकारों की जिम्मेदारियां अब और अधिक बढ़ गई हैं। जितनी अधिक जिम्मेदारियां बढ़ीं हैं तो खबरनवीसों को रहा है। वातानुकूलित कक्षों में बैठ कर टेबल न्यूज के सहारे स्वच्छ पत्रकारिता के दायित्वों क निर्वहन नहीं किया जा सकता। सुरक्षा के पर्याप्त इंतजामात न होने के बावजूद तमाम खतरों के साथ खबर के असल तथ्य जानने के लिए पत्रकारों को मैदान में उतरना ही पड़ता है। कर्तव्यों के निर्वहन में कई पत्रकार साथी अपनी जान तक गंवा चुके हैं। इसके बाद भी उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की गरिमा को न केवल बरकरार रखा बल्कि सरकार, समाज और संस्थान के प्रति अपनी निष्ठा भी कम नहीं होने दी। आज खबरनवीसों के समक्ष कई बड़ी जिम्मेदारियां हैं। पहला यह कि हमें खबर लेखन में अपने नैतिक दायित्व एवं कर्तव्यों का तो निर्वहन करना ही पड़ता है वहीं दूसरी तरफ जिस संस्थान से हम जुड़े होते हैं उसकी पालिसी, नियम और सिद्धांतोंका भी ख्याल रखना पड़ता है। देखने वाली बात यह है कि आज चाहे प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रानिक मीडिया, जिम्मेदारियां और चुनौतियां सभी के समक्ष हैं। इसके साथ ही खबर लेखन में भी हमें आइना बन कर काम करना पड़ता है। कई मर्तबा पत्रकारों पर जहां जानलेवा हमले हुए तो वहीं भ्रष्टाचार तक के आरोप भी उनके सिर मढ़े गए। हमने दैनिक भास्कर समाचार पत्र में काम करते हुए पत्रकारिता का वह दौर भी देखा है जब सिंगल कालम खबर पर तहलका मच जाता था और सम्बंधित नौकरशाह के खिलाफ विभागीय जांच तक बैठ जाया करती थी। आज परिस्थतियां बदल गई हैं। सत्य घटनाक्रम पर आधारित और तथ्यात्मक खबरों के सृजन पर भी कम खतरा नहीं है। एक तरफ जहां पत्रकारों पर भ्रष्टाचार जैसे आरोप लगते आए हैं तो वहीं दूसरी तरफ हमें अपनी सुरक्षा का भी ख्याल रखना पड़ता है। हम मानते हैं कि आजीविका चलाने के लिए पत्रकारिता एक पूर्ण व्यवसाय नहीं है बावजूद इसके राष्ट्र व समाज हित में आइने की मानिंद काम करते रहने के लिए खबरनवीस प्रतिबद्ध हैं। स्वच्छ और स्वस्थ्य पत्रकारिता के लिए तमाम चुनौतियां सामने होने के साथ साथ पत्रकारों के समक्ष उनके घर परिवार और समाज के प्रति भी कई जिम्मेदारियां हैं। अथक मेहनत और कड़े संघर्ष के बाद यदि हम नजर करें तो एक बड़े वर्ग में आज भी पत्रकारों को हेयद्रष्टि से देखा जाता है। बहरहाल, पत्रकारिता एक चुनौती तो है ही साथ ही मौजूदा परिवेश में स्वच्छ और स्वस्थ्य पत्रकारिता करना भी खतरों से भरा बौद्धिक कार्य हो गया है। आज स्वस्थ पत्रकारिता के क्षेत्र में तमाम जोखिमों के साथ साथ हमें अपने नैतिक दायित्व और कर्तव्य निर्वहन करते रहने की आवश्यकता है। हम साधुवाद ज्ञापित करते हैं मीडिया फेडरेशन आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरुण शर्मा जी के प्रति जो कि देश भर में पत्रकार हितों के संरक्षण–सम्बर्द्धन एव उनकी समस्याओं के समाधान हेतु एक लम्बे समय सेनिरंतर काम कर रहे हैं। निःसंदेह मीडिया फेडरेशन आफ इंडिया ही पत्रकारों का एक ऐसा संगठन है जिसने खबरनवीसों को मान सम्मान तो दिलाया साथ ही उनकी तकलीफों को भी नजदीकी से महसूस किया।

प्रसंगवश इन पंक्तियों का यहां जिक्र करना भी लाजिमी होगा
...धरा बेच देंगे, गगन बेच देंगेए कली बेच देंगे, चमन बेच देंगे,
कलम के सिपाही अगर सो गए तोए वतन के मसीहा वतन बेच देंगे...।।

Beyond Profits:

How Women Entrepreneurs Are Building Businesses and Building Themselves?

Dr Vijayta Taneja

Associate Professor & Program Coordinator

Women entrepreneurs are a force to be reckoned with. Their influence extends far beyond profit margins, shaping not only the business landscape but also driving social progress and empowering themselves and the community esthey touch. Financial independence is a cornerstone of empowerment for women entrepreneurs. Owning a business allows them to take control of their income, make crucial financial decisions, and build a safety net for themselves and their families. This newfound independence reduces dependence on others and fosters a sense of self-reliance that can be deeply transformative. The entrepreneurial journey is a crucible thaf rges valuable skills and experiences in women. They develop leadership qualities, sharpen their decision-making abilities, and learn to navigate the complexities of running a business. These skills boost their confidence and make them more competitive in the workforce, even if they choose not to remain entrepreneurs forever. The experience fosters a "can-do" attitude that spills over into other aspects of their lives. Women entrepreneurs are not just successful business owners; they are also powerful role models. Their achievements shatter stereotypes and pave the way for future generations. By seeing women leading in traditionally male- dominated fields, others are inspired to pursue their own entrepreneur ialdreams. This creates a ripple effect, chipping away at gender barriers and expanding the definition of what success looks like for women. The impact of women entrepreneur sex tends beyond the walls of their businesses. They often bring unique perspectives to the table, focusing on social responsibility and catering to specific needs within their communities. This can take the form of developing innovative solutions that address challenges faced by women, such as childcare options or financial literacy programs. Their businesses become vehicles for positive change, creating a social that goes far beyond just generating profits. However, the road to success for women entrepreneurs is not without roadblocks. Access to funding can be a significant hurdle, with women often facing a steeper climb than their male counterparts in securing loans and investments. Mentorship opportunities can also be scarce, leaving them without experienced guidance to navigate the challenges of the business world. Additionally, established business networks can be more challenging to penetrate, making it difficult to build crucial connections. The good news is that initiatives are underway to address these challenges. Training programs equip women with the necessary business skills, while networking opportunities connect them with other female entrepreneurs and potential investors. Additionally, organizations are working to bridge the access-to-capital gap by providing women-focused funding programs and loan guarantees. Supporting women's entrepreneurship is not just an economic imperative; it's a catalyst for societal progress. By creating an environment that empowers women to take charge and pursue their entrepreneurial aspirations, we unlock a wave of innovation, social change, and a future where women are not just keeping up, but leading the way. As more women step into leadership roles within the business world, the entire economic and social landscape is enriched by their unique perspectives and contributions. The ripple effects of women's entrepreneurship are far-reaching, fostering a more equitable and prosperous future for all.

LendingPay Technology Pvt. Ltd. is Best Entrepreneur of the year

Occasion of 19th Media Excellence Awards 2025 Ms.Usha & Mr. Pavi Pratap receive the Best Entrepreneur of the year award this program organize by Media Federation of India

LendingPay Technology Pvt. Ltd., a trailblazer in the Fintech space, revolutionizing Gold Loan distribution under its trusted brand name – Lending Paisa. With a strong foundation backed by an owned NBFC, LendingPay seamlessly operates across both B2B and B2C segments, empowering customers with effortless loan transfers a competitive interest rates.

Through strategic collaborations with 8 major banks and leading Gold Loan NBFCs LendingPay drives a monthly disbursal of over ₹200 Crore, significantly contributing to the expansion of AUM while also helping society save on interest costs and gain access to leading banks.

LendingPay harnesses cutting-edge technology to enhance financial accessibility, ensuring transparency, compliance, and unparalleled customer satisfaction. By bridging the gap between banks and borrowers, LendingPay stands as a catalyst for financia inclusion and economic growth.

Luxoria Group
Your Gateway to a Richer Life
Leading Real Estate Developers and Wealth Creators

TM
Central Group
Healthcare
Media
Education & Training
Food Processing
Pharmaceuticals
Sports
Insurance
+91-9810191748, 9425614875
www.centralgroup.org.in
cgroupmp@gmail.com
341, Mandaakni Society, 80 Feet Road, Kolar, Bhopal, Madhya Pradesh

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अब मिलेगी समय पर सहायता...

सड़क, औद्योगिक दुर्घटना और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में **नि:शुल्क वायु परिवहन सेवा**

पीएमश्री
एयर एम्बुलेंस सेवा
संचालन प्रारंभ

"हमारी सरकार प्रदेश की जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए स्वस्थ मध्यप्रदेश के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित है। अब प्रदेश में गंभीर रोगियों को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के जरिए उचित समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा"

\- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 9111777858

सशुल्क एयर एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध, सम्पर्क करें : 0755-4092530

- आयुष्मान कार्ड धारक को प्रदेश व देश में कहीं भी इलाज हेतु शासकीय और आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में नि:शुल्क सुविधा
- आयुष्मान कार्ड धारक न होने पर प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में नि:शुल्क परिवहन सुविधा जबकि प्रदेश के बाहर निर्धारित शुल्क पर परिवहन सुविधा
- सड़कों या औद्योगिक स्थलों पर होने वाली दुर्घटना, हृदय रोगी या जहर से प्रभावित व्यक्ति को अब मिल सकेगा अच्छे चिकित्सा संस्थानों में समय पर इलाज
- अस्पताल द्वारा मरीज की स्थिति की गंभीरता की जांच के उपरांत मिल सकेगी एयर एम्बुलेंस की सुविधा

एयर एम्बुलेंस सेवा की अनुमति

- दुर्घटना प्रकरण में संभाग के अंदर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर द्वारा
- दुर्घटना अथवा अन्य आपदा की स्थिति में संभाग के बाहर परिवहन हेतु स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा
- दुर्घटना के अतिरिक्त अन्य गंभीर प्रकरणों में प्रदेश के अंदर संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता की अनुशंसा पर संभागीय आयुक्त द्वारा
- प्रदेश के बाहर गंभीर रोगी या दुर्घटना पीड़ित आयुष्मान कार्डधारी होने पर संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा
- सशुल्क परिवहन हेतु एन.एच.एम. कार्यालय स्तर पर अनुमति मिलेगी

- रोगी/पीड़ित को एयर एम्बुलेंस तक पहुंचाने के लिए संजीवनी 108 एम्बुलेंस होगी उपलब्ध
- एयर एम्बुलेंस सेवा में हृदय रोग, श्वास और तंत्रिका संबंधी बीमारियों, नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य समस्याएं, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण तथा आपदा की स्थिति को संभालने के लिये प्रशिक्षित चिकित्सक और पेरा मेडिकल स्टाफ रहेगा मौजूद
- हवाई परिवहन के दौरान रोगी/पीड़ित के लिए ₹ 50 लाख के दुर्घटना बीमा का प्रावधान

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश शासन

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

हरियाणा सरकार
म्हारा हरियाणा
नॉन-स्टॉप हरियाणा
देश का हर 10वां सैनिक हरियाणा से
स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों की सम्मान पेंशन बढ़ाकर की 40,000 रुपये मासिक
अब शहीद सैनिक अनुग्रह अनुदान राशि बढ़ाकर की एक करोड़ रुपये
अब तक अनुकम्पा के आधार पर शहीद सैनिकों के 404 आश्रितों को दी सरकारी नौकरियां
हमारे सैनिक - हमारा गर्व सदा सर्वदा
सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हरियाणा के Whatsapp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

CHOKSI LABORATORIES LIMITED

Your Partners in Quality

CLL is now a leading group of analytical testing and calibration laboratories, providing complete solutions for improving quality in-

Presence

- **Central India - Indore**
- **Northern India - Chandigarh**
- **Southern India - Goa**
- **Western India - Baroda & Vapi**

Accreditations

CLL is approved by:

- Bureau of Indian standard (**BIS**)
- FSSAI
- Ministry of Environment & Forest (**MoEF-GoI**).
- Food & Drug Administration (**FDA**).
- NABL / ISO 17025
- US FDA & Canada Health System

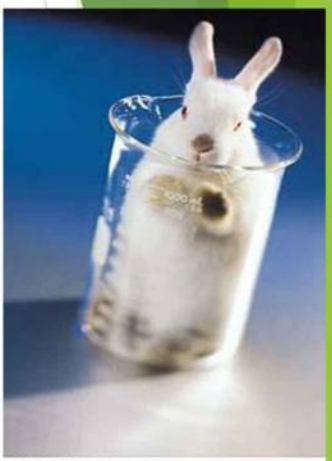

CLL's Clients

- Amul
- Coca Cola Ltd.
- Tata International
- Parle
- Dutch Agro
- Indian Railways
- Cadila
- Ranbaxy ltd.
- HLL
- ACC
- BHEL
- DRL
- Birla Corporation
- CHL-Apollo
- Dabur
- & many more

Core Service Area

- Agro & Agro Derivative Analysis
- Beverage and Water Analysis
- Environment Management
- Building & Construction Material Analysis
- Pharmaceutical & Nutraceutical Products